an>

Title: Need to provide loan to farmers in Maharashtra - Laid

श्री राजीव सातव (हिंगोली): महाराष्ट्र में वित्तीय संस्थानों की विफलता के कारण किसानों को नई फसल के लिए ऋण उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। राष्ट्रीय बैंकों के माध्यम से ऋण वितरण केवल 35 प्रतिशत रहा है जो एक गम्भीर चिंता का विषय है। भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा निर्देशों के अनुसार कृषि क्षेत्र बैंक के क्रेडिट व्यय के 18 प्रतिशत का हकदार है। जिसमें फसलों और सहायक गतिविधियों के लिए ऋण शामिल है। बैंक से कर्ज वितरण का लाभ न मिलने से परभणी के एक गरीब किसान जिसका नाम तुकाराम काले था, उन्होंने आत्महत्या कर ली।

मेरा सरकार से निवेदन है कि वह उन बैंकों और संस्थानों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करे और किसानों को जल्द से जल्द कर्जा मुहैया करवाया जाए।